

शिक्षाशास्त्र

कक्षा-12

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

खण्ड-क

(आधुनिक शैक्षिक विचारधारा का विकास)

इकाई-1 शैक्षिक विचारधारा का विकास

(ख) एनीबेसेन्ट, और रवीन्द्र नाथ टैगोर।

इकाई-3 जनसंख्यां

खण्ड-ख

(शिक्षा मनोविज्ञान)

इकाई-1 सीखना (क) प्रत्यावर्तन का सिद्धान्त

इकाई-3 परीक्षण एवं निर्देशन (ग) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन-उनके अर्थ एवं महत्व।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

शिक्षाशास्त्र

कक्षा-12

100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे का होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 33

खण्ड-क (अंक 50)

(आधुनिक शैक्षिक विचारधारा का विकास)

इकाई-1 शैक्षिक विचारधारा का विकास(क) प्राचीन, मध्यकालीन एवं अर्वाचीन समय में शिक्षा का संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण।

20 अंक

(ख) भारतीय शिक्षकपंडित मदन मोहन मालवीय,, महात्मा गांधी।

इकाई-2(क) पर्यावरण शिक्षा अवधारणा स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रदूषण की समस्यायें एवं उनका निराकरण।

15 अंक

(ख) पर्यावरण को प्रभावित करने वाली प्राकृतिक आपदायें यथा आग, सूखा, बाढ़, भूकम्प, समुद्री लहरें आदि की मूलभूत जानकारीयां, उनके प्रभाव तथा बचाव के उपाय।

इकाई-3 शिक्षा की समस्यायेंशिक्षा का प्रसार, शैक्षिक स्तर, बालिकाओं की शिक्षा एवं सामाजिक शिक्षा।

15 अंक

खण्ड-ख

50 अंक

(शिक्षा मनोविज्ञान)

इकाई-1 सीखना (क) अर्थ, सीखने की प्रक्रिया, प्रयास एवं त्रुटि, सूझ, सम्बन्ध, सीखने के लिये नियम, (ख) प्रेरणा, अर्थ एवं सीखने में इनका स्थान, (ग) रुचि, (घ) पुरस्कार एवं दण्ड।

20 अंक

इकाई-2 मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य उनके अर्थ एवं महत्व।

15 अंक

इकाई-3 परीक्षण एवं निर्देशन (क) बुद्धि उपयोगिता का सामान्य ज्ञान, अर्थ, स्वरूप एवं वर्गीकरण एवं परीक्षण।

15 अंक

(ख) उपलब्धि परीक्षण एवं प्रकार व्यक्तित्व-अर्थ, प्रकार तथा व्यक्तित्व परीक्षण।

पुस्तकें

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गई है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापकों के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।